राजकीय महाविद्यालय अमोड़ी (चम्पावत)

नाम – राजकीय महाविद्यालय, अमोड़ी (चम्पावत)
पता – राजकीय महाविद्यालय, अमोड़ी (चम्पावत) उत्तराखण्ड, पिन कोड 262523
महाविद्यालय वेबसाइटः www.gdcamori.in

प्राचार्य का नाम व सम्पर्क विवरण–

प्रो0 (डॉ0) अजिता दीक्षित, मो0 9410718740, ईमेल : gdcamori@gmail.com

परिचयः

राजकीय महाविद्यालय अमोड़ी (चम्पावत) की स्थापना वर्ष 2016 में हुई है। वर्तमान में यह कला संकाय में एक सरकारी महाविद्यालय है जो सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा से संबद्ध है। महाविद्यालय के पास शासकीय नियमानुसार अपनी भूमि व भवन है। महाविद्यालय दिनांक 25 अक्टूबर 2023 से यूजीसी 02एफ से आच्छादित है व दिनांक 30–10–2024 से 2029 तक के लिए नैक बी0 ग्रेड प्रात्यायन प्राप्त है। महाविद्यालय का अपना स्वाक विश्लेषण हमारे संस्थान की मजबूती, कमजोरियां, अवसर और चुनौतियों की पहचान कराता है। मजबूतियों में अनुभवी शिक्षक, अच्छे इंफ्रास्ट्रक्चर, पारदर्शी शासन व्यवस्था, विविध प्रकार की सामाजिक गतिविधियां, पुस्तकालय, बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओ कम्प्यूटर प्रशिक्षण, आई0क्यू0ए0सी0, अनुसंधान, नवाचार केंद्र और डिजिटल संसाधनों व इन्टरनेट की उपलब्धता शामिल हैं, वहीं कमजोरियों में ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले छात्रों की अंग्रेजी क्षमता में कमजोर होना, सौन्दर्यीकरण में बजट की कमी, हॉस्टल और कैंटीन जैसी सुविधाओं का अभाव, और कुछ अतिरिक्त विषयों का अभाव व कार्यालय स्टाफ की कमी शामिल हैं। अवसर के रूप में नई शिक्षा नीति 2020 का लाभ, डिजिटल लाइब्रेरी, शोध व नवाचार केन्द्र, कम्प्यूटर डिजिटल साक्षरता व नैक प्रत्यायन से मिलने वाले संभावित शासकीय अनुदान से महाविद्यालय का चहुंमुखी विकास सम्भावित है। वहीं, चुनौतियों में स्मार्ट क्लासरूम की कमी, सीमित बजट, आधारभूत सुविधाओं का विकास, ग्रामीण और दूर–दराज इलाकों से छात्रों का आना और रोजगार व कौशल विकास की आवश्यकता शामिल है।

अगले 10 वर्षों के लिए व्यापक और प्रभावशाली संस्थानात्मक विकास योजना

मोटो –

"सर्वांगीण विकास के लिए ज्ञान, स्वास्थ्य और संस्कार का संगम"

संदृष्टि –

महाविद्यालय का उद्देश्य उच्च शिक्षा को समाज के सभी वर्गों के लिए सुगम और समावेशी बनाना है, जिससे छात्र शैक्षिक और रोजगार योग्य बन सकें। साथ ही, नैतिक मूल्यों का विकास और संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना हमारा लक्ष्य है। इस दिशा में हमारा प्रयास निरंतर जारी है व और आगे जारी रहेगा।

उद्देश्य –

महाविद्यालय का मिशन नैतिक और चारित्रिक मूल्यों का विकास, उच्च शिक्षा, कौशल व व्यावसायिक प्रशिक्षण, स्वास्थ्य, स्वच्छता, मानवाधिकार और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देना है। साथ ही, पहाड़ी क्षेत्र के छात्र/छात्राओं को शिक्षा, रोजगार एवं व्यवसाय के लिए प्रेरित करना है। इसके साथ ही समानता, उत्कृष्टता,

अनुसंधान और समावेशी शिक्षा को प्रोत्साहित करना और क्षेत्रीय सहयोग से महाविद्यालय की प्रतिष्ठा को मजबूत बनाना हमारा प्रमुख उद्देश्य है।

3. लक्ष्य, रणनीतियां व कार्ययोजनाएँ (10 वर्ष हेतु) –

3.1 लघु अवधि विकासात्मक योजना (अगले 2 वर्ष हेतु)

डिजिटल लर्निंग सेंटर और स्मार्ट क्लासरूम का निर्माण करना व लाइब्रेरी एवं डिजिटल संसाधनों को अद्यतन करना व सोलर ऊर्जा युक्त परिसर की स्थापना करना, छात्रावास, खेल सुविधाएँ, और परिवहन व्यवस्थाओं का विकास करना प्रमुख लक्ष्य व विकास योजना होगी साथ ही कौशल विकास एवं सॉफ्ट स्किल्स प्रशिक्षण, संकाय प्रशिक्षण और फैकल्टी मेंटरशिप कार्यक्रम, एल्युमनी नेटवर्क का सुदृढ़ीकरण व साथ ही महाविद्यालय को यूजीसी 12 बी प्रमाण पत्र से आच्छादित कराना हमारा प्रबल प्रयास होगा।

3.2 मध्यम अवधि विकासात्मक योजना (अगले 5 वर्ष हेतु)

महाविद्यालय में स्नातकोत्तर कोर्स की मान्यता के साथ ही नए विषय जैसे समाज शास्त्र, गृहविज्ञान, भूगोल पाठ्यक्रम की शुरुआत करना इसके साथ ही महाविद्यालय में विज्ञान वर्ग की मान्यता के लिए प्रयास करना हमारा प्रमुख विकासात्मक लक्ष्य होगा। साथ ही अत्याधुनिक प्रयोगशाला और अनुसंधान केंद्रों का विकास, उद्यमिता एवं अकादमिक साझेदारी का विस्तार, शोध, प्रकाशन और पेटेंट फाइलिंग को बढ़ावा देने पर कार्य किया जायेगा।

3.3 दीर्घकालिक विकासात्मक योजना (अगले 10 वर्ष हेतु)

महाविद्यालय को उच्चस्तरीय पठन पाठन के केन्द्र के रूप में स्थापित करने के साथ ही अनुसंधान एवं नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करना प्रमुख रणनीति का हिस्सा होगा। विदेशी संस्थानों से साझेदारी कार्यक्रम और छात्र–व्यवसायिक विनिमय का कार्य करने के साथ ही हरित परिसर, स्मार्ट सुविधाएँ, शिक्षा, शोध और समाज सेवा के क्षेत्र में एक मॉडल संस्थान का विकास व उत्कृष्टता केंद्र के साथ ही नैक बाइनरी प्रणाली में लेवल–5, बहु–विषयक अनुसंधान और शिक्षा के लिए वैश्विक उत्कृष्टता संस्थान के रूप में प्रत्यायन कराना प्रमुख विकासात्मक कार्य होगा।

4. निष्कर्ष – राजकीय महाविद्यालय अमोड़ी (चम्पावत) का उद्देश्य आने वाले दस वर्षों में अपने शैक्षिक, शोध और सामाजिक योगदान के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करना है। इसके लिए डिजिटल शिक्षा, अनुसंधान, कौशल विकास, और ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों के समावेश को प्राथमिकता दी जाएगी। निरंतर प्रयासों से यह महाविद्यालय समाज के सभी वर्गों के लिए उच्च गुणवत्ता की शिक्षा, नैतिक मूल्यों का संवर्धन और स्थायी विकास का केंद्र बनेगा। हमारा लक्ष्य है कि यह संस्थान न केवल क्षेत्रीय बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान स्थापित करे और एक मॉडल शिक्षण एवं शोध केंद्र के रूप में विकसित हो।

प्राचार्य

संस्थानात्मक विकास योजना समिति
डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता – समन्वयक
डॉ. रंजना सिंह – सदस्य
श्रीमती पुष्पा – सदस्य
श्री हरीश चंद्र जोशी – सदस्य

प्रो0(डॉ0) अजिता दीक्षित
राजकीय महाविद्यालय अमोडी
(चम्पावत)

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय
अमोड़ी (चम्पावत)